

हायक पुस्तकें

संस्कृत साहित्य की रूपरेखा – पाण्डेय एवं व्यास

संस्कृत साहित्य का इतिहास – पं. बलदेव उपाध्याय

संस्कृत वाङ्मय का विवेचनात्मक इतिहास – डॉ. सूर्यकान्त

संस्कृत साहित्य का इतिहास – ए.बी.कीथ., अनु. मंगलदेव शास्त्री

श्री मद्भगवद्गीता – अजमेरा बुक कम्पनी, जयपुर

संस्कृतरचनानुवाद मंजरी – अजमेरा बुक कम्पनी, जयपुर

संस्कृतअनुवादचन्द्रिका – भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली

प्रौढरचनानुवादकौमुदी – डॉ. कपिल देव द्विवेदी

बृहदनुवादचन्द्रिका – चक्रधर हंस नौटियाल

संस्कृतव्याकरणप्रवेशिका – डॉ. बाबूराम सक्सेना

तर्कसंग्रह – अन्नभट्ट (व्या) – प्रो. दयानन्द भार्गव, मोतीलाल, बनारसीदास, दिल्ली।

बी.ए. तृतीय वर्ष प्राकृत साहित्य

2009–2010

- अ. प्राकृत शिक्षण का माध्यम हिन्दी है। अतः प्रश्न पत्र हिन्दी में पूछें जायेंगे। परीक्षार्थी प्रश्नों के उत्तर हिन्दी अथवा अंग्रेजी में लिख सकेंगे।
- ब. प्रत्येक इकाई में से निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य हैं।
- स. प्रश्नों का आन्तरिक विकल्प नई परीक्षा प्रणाली के अनुसार होगा।
- द. बी. ए. तृतीय वर्ष प्राकृत साहित्य में 100–100 अकों के 3–3 घंटे के दो प्रश्नपत्र होंगे।

प्रथम प्रश्न पत्र

प्रतिनिधि प्राकृत काव्य एवं अनुवाद

100 अंक

इकाई एक – चरित काव्य

20 अंक

1. आख्यानमणिकोश (आम्रदेवसूरी) – शिक्षा विवेक, गाथा 1–17
2. सुरसुन्दरीचरियं (धनेश्वरसूरी) – नगर वर्णन, गाथा 1–16

इकाई दो – मुक्तक काव्य

20 अंक

1. वज्जालग्ग (जयवल्लभ) – सज्जन स्वरूप गाथा 1–11
2. गाहासत्तसई (हाल) – गाथामाधुरी, गाथा 1–16